

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)—848125

बुलेटिन संख्या—79

दिनांक: मंगलवार, 13 अक्टूबर, 2026



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.8 एवं 19.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 86 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 73 प्रतिशत, हवा की औसत गति 4.2 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 2.0 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.2 घंटा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से०मी० गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 27.0 एवं दोपहर में 33.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि मौसम शुष्क रहा है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(14—18 अक्टूबर, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 14 से 18 अक्टूबर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:—

- पूर्वानुमान अवधि में मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है। कहीं—कहीं 17—18 अक्टूबर के आसपास बहुत हल्की वर्षा हो सकती है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 30—35°C तथा न्यूनतम तापमान 20—25°C के बीच रहने की संभावना है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 70—85% तथा दोपहर में 45—55% के आसपास रह सकती है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान हवाएँ पूर्वी एवं दक्षिण-पूर्वी दिशा से 8—10 किमी प्रति घंटा की गति से चलने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- तोरी: बुआई इस सप्ताह के अंत तक पूरी कर लें। खेत की तैयारी के समय प्रति हेक्टेयर 100 क्विंटल गोबर की खाद, 30 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस, 40 किलोग्राम पोटाश तथा 20—30 किलोग्राम सल्फर डालें। उर्वरकों को बुआई से 25—30 दिन पहले मिट्टी में मिलाना बेहतर होता है। शेष 30 किलोग्राम नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें। उत्तर बिहार के लिए आर.ए.यू.टी. एस.—17, पंचाली, पीटी—303 एवं भवानी उपयुक्त किस्में हैं।
- सरसों: बुआई अक्टूबर के तीसरे सप्ताह तक पूरी कर लें। समय पर बुआई के लिए आर.एच.—749, राजेन्द्र सरसों—1, पी.एम.—27, पी.एम.—2, नवगोल्ड, एन.आर.सी.डी.आर.—2, एन.आर.सी.वाई.एस. 05—02, एन.आर.सी.डी.आर.—601 एवं एन.आर.सी.एच.बी. 5—6 किस्मों का चयन करें। बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें तथा 30×10 सेमी दूरी रखें। बुआई से पहले बीज को कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई से 20—30 दिन पहले प्रति हेक्टेयर 100 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद मिट्टी में मिलाएं। इसके अतिरिक्त, प्रति हेक्टेयर 60 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 40 किलोग्राम पोटाश डालें। बुआई के समय आधी नाइट्रोजन तथा फॉस्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा मिट्टी में मिला दें। शेष नाइट्रोजन का प्रयोग फूल आने की अवस्था में उपरिवेशन करें।
- चना (देसी एवं काबुली): देसी चने की उन्नत किस्में पूसा—256, के.पी.जी.—59 (उदय), के.डब्ल्यू.आर.—108, पंत जी—189 एवं पूसा—372 हैं। काबुली चने के लिए एच.के.—2 एवं एच.के.—5—169 उपयुक्त किस्में हैं। चने की बुआई 15 अक्टूबर से करें। बुआई से पहले बीज को विटैक्स या बाविस्टिन से 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। 24 घंटे बाद कटुआ कीट से बचाव हेतु क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी से 2—4 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करें। इस के बाद बीज को 2 घंटे तक छाया में सुखाकर राइजोबियम कल्चर के 5 पैकेट प्रति हेक्टेयर की अनुशंसित मात्रा से उपचारित करें। देसी चने की बीज दर 75—80 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दाने वाले एवं काबुली चने की 100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। 30×10 सेमी दूरी रखें। धान—चना फसल प्रणाली में जीरो टिलेज मशीन से बुआई करें तथा बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी सुनिश्चित करें। प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 45 किलोग्राम फॉस्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश एवं 20 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।
- सब्जी मटर: अगोती किस्मों अरका निर्मल, काशी नंदिनी, अर्कल, अलीवेंज, अली जायंट, अली दिसंबर, जवाहर मटर—3 एवं जवाहर मटर—4 की बुआई इस सप्ताह के अंत तक पूरी कर लें। मध्यम एवं देर से पकने वाली किस्मों काशी शक्ति, बोनविले, पंत उपहार, जवाहर मटर—1 एवं जवाहर मटर—2 की बुआई इस सप्ताह शुरू करें। बीज दर 80—100 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें तथा 30×10 सेमी की दूरी रखें। बेहतर उपज के लिए प्रति हेक्टेयर 150—200 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद, 50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 60 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें।
- पालक: पालक की उन्नत किस्में पूसा ज्योति, ऑल ग्रीन, जॉबनेर ग्रीन, पूसा हरित, एच.एस.—23, विलायती पालक, वर्जीनिया सेवॉय एवं पंत कम्पोजिट—1 हैं। बीज दर 20—25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें तथा कतार से कतार और पौधे से पौधे की दूरी 30×5 सेमी रखें। अच्छी वृद्धि एवं बेहतर उपज के लिए प्रति हेक्टेयर 125 क्विंटल अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद, 80 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 40 किलोग्राम पोटाश डालें। खेत की तैयारी के समय पूरी गोबर की खाद, फॉस्फोरस, पोटाश तथा अनुशंसित नाइट्रोजन की एक—चौथाई मात्रा मिट्टी में मिला दें। शेष नाइट्रोजन का प्रयोग प्रत्येक कटाई के बाद 4—5 किशतों में करें, जिससे पत्तियों की पुनर्विकास में सहायता मिले।
- ब्रोकली: उत्तर बिहार के लिए पूसा के.टी.एस.—1, पालम समृद्धि, पालम विवित्रा, पालम कंचन तथा पंजाब ब्रोकली—1 उपयुक्त किस्में हैं। बीज दर 350—500 ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें तथा दूरी 45×45 सेमी रखें। अधिक उपज के लिए प्रति हेक्टेयर 20 टन अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद, 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 75 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमान: 32.5 डिग्री सेल्सियस,
जो सामान्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: 20.8 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 2.7 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)

वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी